# हरियाणा : बेमिसाल

## समूचे प्रदेश का समूचा विकास

- किसानों के लाभ हेतु भूमि अधिग्रहण की संशोधित पुनर्वास नीति के अन्तर्गत फ्लोर रेट के लिए राज्य का पांच क्षेत्रों में विभाजन।
- फरीदाबाद और पंचकूला नगर निगमों की अधिसूचित सीमा में पड़ने वाली भूमि, गुड़गांव-मानेसर शहरी क्षेत्र (गुड़गांव नगर निगम की सीमा में पड़ने वाले क्षेत्रों को छोड़कर) सोहना और सोनीपत-कुंडली के शहरी क्षेत्रों की विकास योजनाओं के अंतर्गत आने वाली भूमि के लिए 16 लाख रुपये के स्थान पर 30 लाख रुपये प्रति एकड़ फ्लोर रेट निर्धारित।
- बहादुरगढ़, रोहतक, रिवाड़ी, धारूहेड़ा, बाबल और पानीपत कस्बों की विकास योजनाओं के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए 16 लाख रुपये के स्थान पर 25 लाख रुपये प्रति एकड़ फ्लोर रेट निर्धारित।
- हरियाणा में कृषि समुदाय के हितों की रक्षा के लिए 'राज्य किसान आयोग' का गठन।
- हरियाणा की आर्थिक स्थिति मजबूत।
- वर्ष 2011-2012 तक प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर।
- प्रदेश में नि:शुल्क सर्जीकल पैकेज योजना अत्यधिक लोकप्रिय। मरीजों के लिए मुफ्त दवाईयों की सुविधा।
- इंदिरा बाल स्वास्थ्य योजना और नेहरू दृष्टि योजना का शुभारम्भ।
- करनाल में कल्पना चावला की याद में बनाए जा रहे नलहर जिला मेवात, खानपुर कलाँ जिला सोनीपत तथा फरीदाबाद में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू।
- प्रदेश में विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़कर 21 हुई।
- गांव जाटपाली जिला महेन्द्रगढ़ में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना।
- दिल्ली-गुड़गाँव मैट्रो प्रोजैक्ट का शुभारम्भ।
- गरनावठी, रोहतक में 200 एकड़ में Indian Institute of Management की स्थापना। इस सत्र से कक्षाएं शुरू।
- पंजाबी भाषा को प्रदेश में दूसरी भाषा का दर्जा।
- लाडली एवं लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के सकारात्मक परिणाम।
- स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनकी विधवाओं को दी जाने वाली राज्य सम्मान पेंशन 1525 रुपये से बढ़ाकर 11000 रुपये प्रतिमास।
- हरियाणा में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए नई खेल नीति के अप्रत्याशित परिणाम।
- राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा प्रदेश ने हासिल किये 21 स्वर्ण, 8 रजत और 8 कांस्य पदक।
- एशियाई खेलों में हरियाणा प्रदेश ने हासिल किये 13 स्वर्ण, 9 रजत तथा 9 कांस्य पदक।
- हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के शिक्षकों को दी जाने वाली राज्य स्तरीय पुरस्कार की राशि 11000 रुपये से बढ़ाकर की 21000 रुपये।
- इँदिरा गाँधी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना के तहत प्रोत्साहन राशि 15,000 रुपये से बढ़कर हुई 31,000 रुपये।

'हरियाणा के विकास की उड़ान जो लगभग 6 वर्ष पूर्व शुरू हुई थी, वो जारी है। आज प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास एवं कल्याणकारी नीतियों की चारों ओर सराहना हो रही है।

मुझे गर्व है कि लगभग 6 वर्ष पूर्व प्रदेश की बागडोर संभालते वक्त हमने विकास का जो संकल्प लिया था उसे हम पूरी निष्ठा और लगन से निभा रहे हैं। हरियाणा सरकार का प्रयास है कि समूचे प्रदेश का समूचा विकास हो और इस विकास का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। आओ, हम सब मिलकर इस विकास के सफर को आगे बढ़ाएं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विकास के इस सफर में आपका सहयोग और समर्थन हमेशा मिलता रहेगा।'

**भूपेन्द्र सिंह हुड्डा**, मुख्यमंत्री, हरियाणा

IPRDH